मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भारतीय जनता पार्टी, हरियाणा के प्रदेश प्रभारी एवं राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने मुख्यमंत्री निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

राज्य के किसानों को 1200 करोड़ रु. के बीमा दावे का भुगतान होगा

जयपुर, 10 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में सोमवार को झुंझुनूं में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी सीजन 2024-25 एवं खरीफ सीजन 2024 की बीमा दावा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल व केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान झुंझुनूं में डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित करेंगे।**

राशि की पहली किश्त डीबीटी के माध्यम से राष्ट्रव्यापी स्तर पर किसानों के खातों में हस्तांतरित की जाएगी। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतिकात्मक चेक का भी वितरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा व केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री चौहान के द्वारा राज्य में लगभग 27 लाख फसल बीमा धारक किसानों को लगभग 1200 करोड़ रुपये की राशि का डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जाएगा।

गहलोत के पीएसओ को परीक्षा से 4 दिन पहले पेपर मिला था

पीएसओ राजकुमार ने बड़ी रकम देकर पेपर खरीदा, फिर दूध वाले व एक परिचित को मोटी रकम पर बेचा

जयपुर, 10 अगस्त। उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पीएसओ राजकुमार यादव और उसके बेटे भरत यादव की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में सामने आया कि बेटे के दबाव में उसने पैसे देकर पेपर खरीदा था। बेटा भरत यादव पर दबाव बना रहा था कि उसे एसआई बनना है। इस पर राजकुमार ने अपने दोस्त कुंदन को पैसा देकर पेपर लिया। इसके बाद पेपर अपने दूध वाले को भी बेच दिया। राजकुमार ने बड़ी रकम कुंदन कुमार को पेपर के लिए दी थी। इस पैसे का बोझ उतारने के लिए उसने अपने दूध वाले को पेपर की बात बताई। दूध बेचने वाले ने खुद के बेटे रविन्द्र सैनी के लिए राजकुमार यादव को पैसे देकर पेपर लिया। राजकुमार ने अपने परिचित सतेन्द्र को भी मोटी रकम लेकर पेपर बेच दिया।

- **एसओजी के अनुसार, पीएसओ राजकुमार जांच में सहयोग नहीं कर रहा, पर उसका बेटा स्वीकार कर चुका है कि पिता से पेपर मंगवाया, जिसे पढ़कर पास हुआ।**

राजकुमार यादव से एसओजी पूछताछ कर रही है, लेकिन वह जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। वहीं बेटा स्वीकार कर चुका है कि पिता से पेपर मंगवाया था, जिसे पढ़ कर परीक्षा में पास हुआ। लेकिन फिजिकल में फेल हो गया था। भरत यादव, सतेन्द्र और रविन्द्र को पहले से जानता था।

उन्होंने बताया कि लीक पेपर पढ़ कर एसआई भर्ती में 12वीं रैंक लाने वाला सत्येन्द्र यादव जयपुर ग्रामीण पुलिस लाइन में बतौर प्रोबेशनर एसआई तैनात था। उससे पूछताछ में सामने आया कि हेड कांस्टेबल राजकुमार यादव ने परीक्षा से चार दिन पहले पेपर हासिल किया था। अपने बेटे भरत यादव के साथ ही उसने रवींद्र सैनी और सत्येंद्र को भी पेपर पढ़ वाया था। अब एसओजी रवींद्र सैनी की तलाश में जुटी है।

आरोपित सत्येंद्र यादव की गिरफ्तारी के बाद से वह फरार हो गया। बताया जा रहा है कि एसओजी ने उसे पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह नहीं पहुंचा और फरार हो गया। एसओजी का कहना है कि पुलिस टीमें उसकी तलाश कर रही हैं। सम्भावित ठिकानों पर पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। जल्द से जल्द रविन्द्र सैनी को गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल आरोपित राजकुमार यादव और भरत यादव 12 अगस्त तक रिमांड पर हैं।

एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि राजकुमार यादव ने सरकारी शिक्षक कुंदन पंड्या से पेपर लिया था। एसओजी कुंदन पंड्या को 5 जून को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच पड़ताल में यह भी सामने आया है कि कुंदन आरपीएससी के सदस्य रहे बाबूलाल कटारा का नजदीकी रहा है। उसने कटारा से पेपर हासिल कर आगे बेचा। कुंदन पंड्या राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, कन्याला घाटा (डूंगरपुर) में अध्यापक है।

मुख्यमंत्री ने पेंशनरों के लिए दवा व जांचों की सीमा बढ़ाई

निर्धारित सीमा में विस्तार देने के लिये अब स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेन्सी अधिकृत होगी

जयपुर, 10 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुलभ एवं सुचारू संचालन के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी दिशा में राज्य सरकार ने राजस्थान राज्य पेंशनर्स चिकित्सा रियायती योजना-2021 में संशोधन किया है।

- **मुख्यमंत्री के इस निर्णय से पेंशनर्स को अपनी मेडिकल जरुरतों के मामले में ओपीडी दवाइयों व चिकित्सा जांचों की सीमा राशि में शिथिलता प्राप्त करने के लिये आवेदन करना सरल होगा।**

वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, पेंशनर्स के लिए आरजीएचएस योजना के अन्तर्गत वर्तमान में आउटडोर चिकित्सा सुविधा में दवाइयों के लिए निर्धारित 50 हजार रुपए प्रतिवर्ष एवं जांचों के लिए 5 हजार रुपए की निर्धारित सीमा में वृद्धि के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग एवं उसके अधीन राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेन्सी को शक्तियां प्रदान की गई हैं।

इसके तहत ओपीडी दवाइयों के लिए निर्धारित सीमा में 2 लाख रुपए तक के विस्तार के लिए राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के अतिरिक्त सीईओ या संयुक्त सीईओ (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा अधिकृत), 2 लाख से 7 लाख रुपए तक के लिए राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को प्राधिकृत किया गया है। वहीं 7 लाख रुपए से अधिक के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (प्रशासनिक विभाग) को प्राधिकृत किया गया है।

इसी तरह चिकित्सा जांचों के लिए निर्धारित 5 हजार रुपए की सीमा को बढ़ ाने के लिए राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्राधिकृत है। उल्लेखनीय है कि निर्धारित सीमा राशि में वृद्धि के लिए पहले यह शक्तियां वित्त विभाग के अधीन थीं, जिन्हें अब चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सौंप दिया गया है।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय से पेंशनर्स को अपने मेडिकल जरूरतों के मामले में ओपीडी दवाइयों एवं चिकित्सा जांचों की सीमा राशि में शिथिलता प्राप्त करने के लिए अब आवेदन करना और सरल होगा। पेंशनर्स को इसके लिए आरजीएचएस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

रुस-यूक्रेन समझौते से पहले अमेरिका सुरक्षा गारन्टी दे

यूरोपीय देशों को आशंका है कि ट्रंप और पुतिन युक्रेन मुद्दे पर खुद ही समझौते पर पहुंच सकते हैं

वाशिंगटन, 10 अगस्त। यूरोप और यूक्रेन ने रूस - यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को सुलझाने के लिए होने वाले किसी भी समझौते के तहत अमेरिका से सुरक्षा गारंटी प्रदान करने की मांग की है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वे इस बात पर भी ज़ोर दे रहे हैं कि यूक्रेन के लिए उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होने का अवसर खोले जाने की जरूरत है। सूत्रों ने कहा कि यूरोपीय सहयोगी चाहते हैं कि अमेरिका यूक्रेन की नाटो सदस्यता के लिए दरवाज़ा खुला रखे, भले ही गठबंधन में शामिल होना तुरंत संभव न हो।

- **ब्रिटेन के विदेश सचिव, यूक्रेन व यूरोप के प्रतिनिधियों तथा अमेरिका के उपराष्ट्रपति के बीच हुई बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा हुई।**

अखबार की रिपोर्ट के अनुसार कल ब्रिटेन के विदेश सचिव मंत्री लैमी, यूक्रेन और यूरोप के प्रतिनिधियों तथा अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बीच हुयी बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा हुयी। अखबार ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ इस बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए।

इससे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से खबर दी थी कि यूरोपीय देश इस बात को लेकर चिंतित हैं कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रम्प यूक्रेन मुद्दे पर खुद ही किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि यूरोपीय देश यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि पुतिन और ट्रंप की बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की मौजूद रहें। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार यूरोपीय देश भी वार्ता प्रक्रिया में भाग लेना चाहते हैं, लेकिन इसकी संभावना कम ही है।

गौरतलब है कि क्रेमलिन और व्हाइट हाउस ने पहले घोषणा की थी कि पुतिन और ट्रंप 15 अगस्त को अलास्का में मिलेंगे।

क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने कहा कि अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रूस की यात्रा के दौरान क्रेमलिन में पुतिन, ट्रंप और ज़ेलेंस्की के बीच त्रिपक्षीय बैठक के विकल्प का ज़िक्र किया था। लेकिन रूसी पक्ष ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की और द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया।

भरतपुर की सेवर जेल में बंदी की संदिग्ध मौत

भरतपुर, 10 अगस्त (निसं)। भरतपुर के सेवर जेल से एक बंदी को उपचार के लिए आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया, जहां बंदी चेतपाल की मौत हो गई। इसके बाद बंदी के परिजन एवं ग्रामीणों ने जेल के बाहर एकत्रित होकर विरोध प्रदर्षन किया और जाम भी लगाया। मौके पर मौजूद पुलिस ने जाम खुलवाया और समझाइश की। मृतक के शव को अस्पताल की मौर्चरी में

- **पुलिस ने समझाइश से जाम खुलवाया, मेडिकल बोर्ड ने पोस्टमार्टम किया।**

रखवाया गया। बाद में समझाइश के बाद मेडिकल बोर्ड ने पोस्टमार्टम किया।

बंदी के परिजनों का कहना है कि उन्होंने हमें घटना की सूचना नहीं दी। रविवार को जब बंदी की बड़ी बहन उससे मिलने के लिए आई तो, उसे घटना के बारे में बताया गया। वहीं जेल सुप्रिंटेंट का कहना है कि सुबह अचानक उसकी तबियत ख़राब हो गई। जिसके बाद तुरंत आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी ने चार्जशीट दायर की

चार्ज शीट में दावा किया गया कि वाड्रा ने 58 करोड़ रु. की कमाई अपराध से प्राप्त की

नई दिल्ली, 10अगस्त। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दायर चार्जशीट में दावा किया है कि उन्होंने 58 करोड़ रुपये की कमाई अपराध से हासिल की। यह रकम दो कंपनियों के जरिए आई। ईडी का कहना है कि इस धन का इस्तेमाल वाड्रा ने संपत्तियां खरीदने, निवेश करने और अपनी कंपनियों के कर्ज चुकाने में किया।

- **ईडी के अनुसार, आरोपित ने 5 करोड़ रु. ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग तथा 53 करोड़ स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी के जरिये प्राप्त किये। यह रकम शेड्यूल अपराध से उत्पन्न हुई थी।**

ईडी के मुताबिक, आरोपित 58 करोड़ रुपये में से 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (बीबीटीपीएल) के जरिए और 53 करोड़ रुपये स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड (एसएलएचपीएल) के जरिए आए। दोनों कंपनियां वाड्रा के कारोबारी नेटवर्क से जुड़ी बताई गई हैं। जांच एजेंसी ने कहा कि यह रकम शेड्यूल अपराध से उत्पन्न हुई थी, यानी उस स्त्रोत, से जो पहले से अपराध घोषित है।

अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान बैंक लेन-देन, कंपनी रिकॉर्ड और गवाहों के बयान के आधार पर यह वित्तीय प्रवाह ट्रैक किया गया। ईडी ने यह भी बताया कि जिन कंपनियों के जरिए धन आया, उनका संचालन वाड्रा के नजदीकी सहयोगियों के हाथों में था। एजेंसी का कहना है कि इन चैनलों का उपयोग रकम को कानूनी स्वरूप देने के लिए किया गया।

ईडी ने चार्जशीट अदालत में दाखिल कर दी है, और अब इस पर सुनवाई होगी। अगर अदालत आरोप तय करती है, तो वाड्रा को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत सजा का सामना करना पड़ सकता है। फिलहाल वाड्रा ने इन आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं दी है।

आनंद शर्मा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एशिया, अफ्रीका, मध्य पूर्व, यूरोप और लैटिन अमेरिका के प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ कांग्रेस के संबंधों को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, मुझे 1980 के दशक के मध्य से आईवाईसी अध्यक्ष के रूप में कांग्रेस की सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पहलों से जुड़ने का अवसर मिला। इनमें 1985 का गुटनिरपेक्ष आंदोलन, युवा सम्मेलन और 1987 का ऐतिहासिक 'एंटी अपार्थाइड कॉन्फ्रेंस' शामिल हैं, जिन्हें वैश्विक सराहना मिली।

वोट चोरी पर ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मार्च का आयोजन सोमवार 11 अगस्त को हो रहा है। इससे पहले संसद की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व सुबह संसद भवन परिसर में विपक्ष के नेता के कक्ष में गठबंधन के नेताओं की बैठक होगी, जिसमें संसद से चुनाव आयोग तक मार्च करने को लेकर चर्चा होगी। बताया जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के नेता संसद भवन परिसर में पिछले सप्ताह की तरह प्रदर्शन भी करेंगे।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के पास पहुंचा

- **हथिनकुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी को देखते हुए यमुना बैराज के सभी गेट खोले**
- **प्रशासन को आशा है कि यमुना नदी के हालात इस बार 2023 जैसे गंभीर नहीं होंगे तथा वे स्थिति को काबू रखने में सफल होंगे।**

नई दिल्ली, 10अगस्त। यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर चिंता बढ़ ाने वाला हो गया है। पुराने लोहे के पुल के पास पानी का स्तर चेतावनी रेखा पार कर चुका है, जिससे प्रशासन सतर्क हो गया है। हालांकि, सरकार का दावा है कि इस बार हालात 2023 जैसे गंभीर नहीं होंगे और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

रविवार आज सुबह 8 बजे तक पुराने लोहे के पुल के पास यमुना का जलस्तर 204.05 मीटर और खतरनाक स्तर 205.33 मीटर के बीच दर्ज किया गया। दो दिन पहले ही यमुना का स्तर डेंजर लेवल को भी पार कर गया था। राजधानी में लगातार हो रही बारिश और पहाड़ी इलाकों में भीषण वर्षा के कारण नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

इस स्थिति को और जटिल बनाने में हथिनकुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी की बड़ी भूमिका है। बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने के चलते निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। हालांकि, राहत की बात यह है कि रविवार को यमुना के जलस्तर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है।

दिल्ली सरकार ने हालात को देखते हुए यमुना बैराज के सभी गेट खोल दिए हैं, जिससे पानी के बहाव में सुधार हुआ है। सरकार और अधिकारियों का कहना है कि जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिए जाएंगे।

ज्ञातव्य है कि राजधानी दिल्ली में यमुना नदी के लिए चेतावनी का स्तर 204.5 मीटर है, खतरे का स्तर 205.3 मीटर है और 206 मीटर पर निकासी शुरू होती है। ऐसी स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की कवायद शुरू हो जाती है। यमुना के प्रवाह और बाढ़ के जोखिम को मापने का ओल्ड रेलवे ब्रिज एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

धराली में छठे दिन भी हैलिकॉप्टर से राहत सामग्री भेजी

- **नौ अगस्त तक 1126 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया।**

देहरादून, 10 अगस्त। उत्तराखंड में उत्तरकाशी जिला के धराली क्षेत्र में आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए हेलिकॉप्टर्स के माध्यम से संचालित राहत अभियान रविवार छठे दिन भी जारी है।

आज प्रातः काल मौसम खराब होने के कारण यह अभियान लगभग पौने दस बजे से शुरू हो पाया। मातली हेलीपैड से हेलिकॉप्टर के माध्यम से प्रभावितों के लिए बड़ी मात्रा में खाद्य एवं राहत सामग्री हर्षिल हेलीपैड तक भेजी जा रही है। हेलिकॉप्टर से वापसी में आपदा प्रभावित क्षेत्र से जरूरतमंद लोगों को मातली पहुंचाने का नियमित सिलिसिला भी शुरू हो गया है। छह से 09 अगस्त तक कुल 1126 लोगों को हर्षिल और धराली से सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा चुका है। आपदाग्रस्त धराली क्षेत्र में तत्परता के साथ बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान संचालित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए हेली ऑपरेशन में जुटाए गए हेलिकॉप्टरों द्वारा अब तक 260 से भी अधिक फेरे लगाए जा चुके है। इस अभियान में मातली हेलीपैड से आठ हेलिकॉप्टर संचालित किये जा रहे हैं। इसके साथ ही चिन्यालीसौड़ हवाईपट्टी से भी सेना के चिनूक, एमआई, एएलएच तथा चीता हेलिकॉप्टर भी हेली रेस्क्यू अभियान में महत्वपूर्ण सहयोग कर रहे हैं। युकाडा की ओर से आज वेदर ऑब्जरवेशन फ्लाइट को लांच किए जाने की जानकारी दी गई है। इससे हेली सेवाओं के संचालन के दृष्टिगत, विजिबिलिटी को जांचा जा सकेगा।

गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग 134 को गंगनानी से आगे नाग मन्दिर (लिम्वागाड) तक सुचारू कर दिया गया है,जबकि गंगनानी से आगे नाग मन्दिर (लिम्वागाड) के पास 30 मीटर क्षितग्रस्त पुल पर वैलीब्रिज के निर्माण कार्य लगभग 90 प्रतिशत हो गया है। मौसम स्थिति के अनुसार, आज दोपहर तक इसके पूरा होने की संभावना है।

खड़गे इंडिया गठबंधन नेताओं को डिनर देंगे

नयी दिल्ली 10 अगस्त। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बाद अब कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे इंडिया गठबंधन के नेताओं के लिए डिनर का आयोजन कर रहे हैं, जिसमें चुनाव आयोग पर वोट की चोरी, बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण तथा अन्य कई मुद्दों पर विचार विमर्श किया जाएगा।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, डिनर का

- **सोमवार 11 अगस्त को इस डिनर में लोकसभा व राज्यसभा में गठबंधन के सभी प्रमुख नेताओं को आमंत्रित किया है।**

आयोजन 11 अगस्त यानी सोमवार को किया जाएगा। इसमें लोकसभा तथा राज्यसभा में इंडिया गठबंधन के सभी दलों के नेताओं के साथ ही विपक्षी गठबंधन के प्रमुख नेताओं को आमंत्रित किया गया है। भोज का आयोजन खरगे के आवास पर नहीं, बल्कि अन्यत्र किया जा रहा है, ताकि ज्यादा संख्या में नेताओं को इसमें आमंत्रित किया जा सके।

हमें अगले युद्ध के लिये तैयार रहना होगा- जनरल द्विवेदी

- **थल सेना प्रमुख ने आईआईटी मद्रास में इण्डियन आर्मी रिसर्च सेल के उद्घाटन पर यह चेतावनी दी।**
- **उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर में सशस्त्र बलों को खुली छूट दी गई थी। फ्री हैंड दिया गया था कि जो करना है, आप तय करें।**

चेन्नई, 10अगस्त। 'अगला युद्ध, जिसकी हम कल्पना कर रहे हैं, वह जल्द ही हो सकता है।' भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सनसनीखेज चेतावनी दी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 'हमें उसके अनुसार तैयारी करनी होगी और इस बार हमें मिलकर यह लड़ाई लड़नी होगी।'

थल सेनाध्यक्ष ने 4 अगस्त को आईआईटी मद्रास में अग्निशोध-इंडियन आर्मी रिसर्च सेल (आईएआरसी) के उद्घाटन के दौरान यह बात कही थी। इसका वीडियो आज सामने आया।

जनरल उपेन्द्र द्विवेदी आईआईटी मद्रास में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में जो हुआ, उसने पूरे देश को झकझोर दिया था। 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या कर दी थी।

सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों को खुली छूट दी गई थी। सेना को फ्री हैंड दिया गया था कि जो करना है, आप तय करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा, 23 अप्रैल को अगले ही दिन, हम सब बैठे। रक्षा मंत्री ने भी पहली बार कहा कि 'अब बहुत हो गया। तीनों सेना प्रमुख इस बात पर एकमत थे कि कुछ किया जाना चाहिए। हमें फ्री हैंड दिया गया कि जो करना है, आप तय करें। यह राजनीतिक दिशा और स्पष्टता का ऐसा उदाहरण था, जो हमने पहली बार देखा।'

सेना अध्यक्ष ने बताया, '25 अप्रैल को हम उत्तरी कमान गए। वहीं पर हमने सोचा, योजना बनाई, अवधारणा तैयार की और उसे अमल में लाए। हमने नौ में से सात ठिकाने तबाह किए और बड़ी संख्या में आतंकियों का सफाया हुआ। 29 अप्रैल को पहली बार प्रधानमंत्री से मुलाकात हुई।'

जनरल द्विवेदी ने आगे कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर में हम एक तरह का शतरंज खेल रहे थे। हमें पता नहीं था कि दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हमारी अगली चाल क्या होगी। इसे ग्रे जोन कहते हैं। इसका मतलब है कि हम पारंपरिक युद्ध नहीं कर रहे थे, बल्कि उससे ठीक पहले वाली रणनीति अपना रहे थे। हम चाल चलते थे, दुश्मन भी चाल चलता था। कहीं हम उसे चेकमेट कर रहे थे, तो कहीं जान जोखिम में डालकर वार कर रहे थे- और जिंदगी इसी का नाम है।'

जनरल द्विवेदी ने इस दौरान पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख असीम मुनीर पर भी निशाना साधा।

प्रधानमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एआई और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेतृत्व का लक्ष्य बना रहा है, जिसमें मेड-इन-इंडिया चिप का विकास भी शामिल है। मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत की विकास गाथा को बनाए रखने के लिए नवाचार और विनिर्माण को साथ-साथ चलना होगा तथा पर्यावरणीय मानकों पर भी ध्यान देना होगा। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों और सक्रिय नागरिक भागीदारी के माध्यम से, कर्नाटक विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगा और एक विकसित भारत के विजन में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

उपराष्ट्रपति पद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खेमे के एक वर्ग का मानना है कि भाजपा के उम्मीदवार की घोषणा के बाद ही इंडिया गठबंधन को अपना उम्मीदवार तय करना चाहिए।

हाल ही में विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दलों के बीच एकता बढ़ ी है। विपक्षी गठबंधन बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कथित चुनाव धांधली के खिलाफ एकजुट है। गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास पर विपक्षी गठबंधन के नेताओं की डिनर पार्टी में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई। अब खड़गे, सोमवार को इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे।

फर्रुखाबाद में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजेपुर थाना क्षेत्र में चित्रकूट गांव समीप सड़क के ऊपर से करीब 02 फीट पानी का बहना शुरू हो गया है जबकि गंगा की सहायक नदी राम गंगा खतरे के निशान से करीब 85 सेमी नीचे बह रही है।

जिला प्रशासन ने बाढ़ पीड़ितों को आवागमन राहत प्रदान करने के लिए, जिले के विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में 52 नावें तथा चार स्टीमर लगाए हैं।

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि नरौरा बांध से 305041 क्यूसेक पानी गंगा नदी में छोड़ा गया, वहीं रामगंगा में रामनगर बैराज आदि से 11467 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिससे दोनों नदियों में जल स्तर निरंतर बढ़ रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908